



रमेश पोखरियाल 'निशंक'
Ramesh Pokhriyal 'Nishank'



मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA



संदेश

किसी भी देश के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास में उस देश की भाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह संपूर्ण राष्ट्र की एकता और अखंडता की महत्वपूर्ण कड़ी होती है। भारत के संदर्भ में यह भाषा हिंदी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि - 'राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।'

यह वर्ष हमारे देश और हमारे मंत्रालय के लिए ऐतिहासिक है। इस वर्ष देश के भविष्य को गढ़ने वाली, हिंदी व समस्त भारतीय भाषाओं को सुदृढ़ करने वाली और भारत की बहुभाषिकता को रेखांकित करने वाली ऐतिहासिक शिक्षा नीति 2020 की घोषणा की गई है। इस शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा अपनी भाषाओं में देने संबंधी प्रावधान व अन्य भाषा संबंधी प्रावधानों का देश में व्यापक स्वागत हुआ है। इससे हिंदी और भारतीय भाषाओं के अध्ययन और अध्यापन के व्यापक स्तर पर रास्ते खुले हैं। यह हिंदी व भारतीय भाषाओं के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है।

हिंदी के राष्ट्रव्यापी विस्तार में हिंदीतर क्षेत्र के राष्ट्रीय नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमें भी अन्य भारतीय भाषाओं से समन्वय, सद्भाव और संवाद के रास्ते से संविधान के अनुच्छेद 351 की भावना के अनुसार राजभाषा के रूप में हिंदी के विकास और समृद्धि में सहयोग देना है।

आज प्रौद्योगिकी का युग है। हम हिंदी के प्रचार-प्रसार में यथासंभव प्रौद्योगिकी का उपयोग करें। हमें भाषा दक्ष होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी सक्षम भी होना होगा। इससे हमारे काम की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। माननीय प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2015 में भोपाल में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया है।

हिंदी के विकास और प्रचार-प्रसार की दृष्टि से शिक्षा मंत्रालय अत्यंत महत्वपूर्ण मंत्रालय है। आइए हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर हम प्रतिज्ञा करें कि हम सरकारी कामकाज में अधिक-से-अधिक हिंदी का प्रयोग करेंगे और सभी मन वचन और कर्म से प्रतिबद्ध होकर हिंदी के संवर्द्धन में सहयोग देंगे। हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर मेरी शुभकामनाएँ।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

